भारत में बाल अधिकारों की रक्षा में किशोर न्याय बोर्ड की भूमिका की व्याख्या करें।

8. Write short notes on **any two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) Public Interest Litigation (PIL)

जनहित याचिका (पीआईएल)

(b) Positive Discrimination

सकारात्मक भेदभाव

(c) Fundamental Duties

मौलिक कर्तव्य

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 5157 **H**

Unique Paper Code : 2332101201

Name of the Paper : Indian Constitution and Social Justice

Name of the Course : **B.A. (H) Social Work – DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90
समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों को हल करें ।
3. **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the importance of Preamble and Fundamental rights in the Indian constitutional framework?

   भारतीय संवैधानिक ढांचे में प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों के महत्व पर चर्चा करें?

2. How does the Indian Penal Code (IPC) address issues specific to women and children?

   भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) महिलाओं और बच्चों से संबंधित विशिष्ट मुद्दों को कैसे संबोधित करती है?

3. Discuss the main features of social justice and how they contribute to a fair and equitable society.

   सामाजिक न्याय की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें और वे एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज में कैसे योगदान देते हैं।

4. Discuss instances of oppression faced by marginalized communities in India.

   भारत में हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा सामना किए गए उत्पीड़न के उदाहरणों पर चर्चा करें।

5. Explain the importance of the Right to Information (RTI) in promoting transparency and accountability in governance and its role in ensuring social justice.

   शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के महत्व और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका के बारे में बताएं।

6. Discuss Social Justice as a core value of social work profession.

   समाज कार्य व्यवसाय के मुख्य मूल्य के रूप में सामाजिक न्याय की चर्चा कीजिए।

7. Explain the role of Juvenile Justice Board in protecting the rights of children in India.